13

Ø;&foØ;

प्रिय शिक्षार्थी, पिछले पाठ में आपने होलिका पर्व, उसके मनाये जाने का कारण तथा महत्त्व के विषय में पढ़ा। इस पाठ में आप क्रय–विक्रय के बारे में पढ़ेंगे। रोजमर्रा के जीवन मे आप अनेक चीजे क्रय तथा विक्रय करते है। आप देखते हैं कि आपको माता–पिता या परिवार, दोस्तां में से कोई कुछ न कुछ खरीदता है या बेचता भी है। इस पाठ में आप संस्कृत के वाक्यो का प्रयोग करते हुए वार्तालाप के माध्यम से क्रय–विक्रय के विषय में पढ़ेंगे।

mÌ’;

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- क्रय–विक्रय के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाने में; और
- संस्कृत के नवीन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर पाने में।

13.1 eyikB

**je'k% eg'k Ro vki.k xfe";fl fde **

महेश! क्या आप बाजार चलोगे ?

eg'k% vkeA ;fn i;ktue vfLrA vg xfe";kfeA

हाँ, यदि कोई काम रहा तो मै चलूँगा।

je'k% xUr0;eA vfLr i;ktu foyEc ek d:A

चलिये। मेरा कुछ काम है, देर मत करना।

eg'k fd i;ktueA dkfu oLrfu Ør0;kfu

क्या काम है? क्या चीजे खरीदनी है ?

Ø;&foØ;

je'k% **iFke r| nX/ke vkurO;eA**

पहले तो मुझे दुध लाना है।

eg'k% **fd;Uek=e**

कितनी मात्रा में ?

je'k% **,dfyVjek=eA rno i;klr Hkfo";frA**

केवल एक लिटर। इतना काफी होगा।

d{kk & V

fVIi.kh

eg'k% **fd;rk eY;u yHkL;r**

कितने मूल्य में मिलेगा ?

je'k% **i´pf='kr :I;dkf.k eY;: Hkfo";frA**

35 रूपये प्रति लीटर का भाव है ।

eg'k% **vLrq] vU;r~ fdefi vkurO;e**

ठीक है। कुछ और भी लाना है।

je'k% **iqLrd] lekpkji=] dxni=kkf.k bR;kfnfu oLrfu vkurO;kfuA**

किताबें, समाचार पत्र, कुछ कागज पत्र आदि भी है।

eg'k% **vif{kr /ku nnkrq HkokuA**

इसके लिए आप आवश्यक धन दीजिए।

Ø;&foØ;

d{kk & V

fVi.kh

je'k% **xg.k bekfu ipk'kr :I;dkf.kA**

ये पचास रूपये लिजिए।

eg'k% **vLr] lRoj fuofr';A**

ठीक है जल्दी चलिये।

ikBxr iz'u& 13-1

1. नीचे दिये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

   क. त्वम् आपणं .... किम्?

   ख. कानि .... आनेतव्यानि?

   ग. प्रथमं तु दुग्धं .... वर्तते।

   घ. कियता .... लाभस्यते।

   ङ. अन्यत् किम् अपि ....।

   च. धनं ददातु .... भवान्।

   छ. सत्वरं ....?

vkiu D;k lh[kk\

- बाजार में क्रय–विक्रय से संबंधित गतिविधियां
- संस्कृत में नये शब्दो का ज्ञान और वाक्यों का प्रयोग

ikBkr i'u

1. निम्नलिखित पदों का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण कीजिए–

    1. आपणम्, गमिष्यसि, विलम्बम्, वस्तूनि, कियता, आनेतव्यम् आदि।

    2. क्रय–विक्रय से संबंधित किसी एक गतिविधि को स्वयं के शब्दों में संस्कृत में लिखिए।

2. नीचे दिये गये चित्रों को देखकर संस्कृत में एक–एक वाक्यों का निर्माण कीजिए–

(i)

(ii)

Ø;&foØ;

d{kk & V

fVIi.kh

mÙkjekyk

13.1

क. गमिष्यसि

ख. वस्तूनि

ग. आनेतव्यम्

घ. मूल्येन

ङ. आनेतव्यम्

च. अपेक्षितम्

छ. निवर्तिष्ये